

کے ذریعے مرکزی سرکار سے درخواست کروں گا کہ کالیشورم پروجیکٹ کو نیشنل پروجیکٹ کے ڈکلیئر کی جائے۔

چٹرمی صاحب، آج جو حالت تلنگانہ کے اندر ہے، اس سے ایک تو اس سے کہتے ہیں کہ جو مزدور ہیں، کہتے ہیں کہ جو کسان ہیں، ان کو فائدہ ہوگا اور خصوصاً حیدرآباد میں پانی کا جو مسئلہ ہے، وہ مسئلہ بھی کافی اہمیت کا حامل ہے، تو اس سے بھی حل ہونے کا معاملہ ہے۔

دوسرا یہ ہے کہ اگر یہ پروجیکٹ پانی تکمیل کو پہنچے گا، تو تلنگانہ کے اندر جو انڈسٹری ہیں، ان کے ڈیولپمنٹ کے لئے بھی یہ کافی اہمیت کا حامل ہے۔

تیسری بات یہ ہے کہ امپلائمنٹ کا پرابلم حل کرنے کے لئے بھی یہ پروجیکٹ ایک مضبوطی کے ساتھ آگے آنے کی کوشش کرے گا۔ تو میں آپ سے درخواست کروں گا کہ اگر یہ پروجیکٹ کمپلیٹ ہو جائے، تو اس پروجیکٹ سے نئے ہیں ضلع اور پرانے ضلعوں کے اندر جو عوام ہیں، اس عوام کو بالکل فائدہ ہوگا۔ تو میں ایک بار پھر آپ کے ذریعے مرکزی سرکار سے یہ درخواست کروں گا کہ اس پروجیکٹ کو نیشنل پروجیکٹ ڈکلیئر کر کے تلنگانہ سرکار کو اس میں کہا جائے۔

اس کے ساتھ ہی ساتھ، یہ ایک بات میں سمجھ میں نہیں آتی کہ آندھرا پردیش کے اندر جو پولورم پروجیکٹ ہے، اس کو آپ نے مرکزی پروگرام کی حد تک لیا ہے۔ تو یہ بات میں سمجھ میں نہیں آتی کہ ایک اسٹیٹ کو ایک طریقے سے اور دوسرے اسٹیٹ کو دوسرے طریقے سے --- لہذا اس کی بنیاد کے اوپر تلنگانہ کا یہ جو پروجیکٹ ہے، کالیشورم پروجیکٹ، اس کو بھی آپ کو مرکزی پروجیکٹ میں ڈکلیئر کرنا چاہئے۔ بہت بہت شکریہ، دہریاد۔

(ختم شد)

श्री हुसैन दलवाई (महाराष्ट्र): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाये गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सभापति: श्री वीर सिंह जी। वीर सिंह जी नहीं है। श्री जावेद अली खान।

13 Point Roster System in Universities

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, मैं एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय आपके, सदन के, सरकार के और देश के संज्ञान में लाना चाहता हूँ। यह विषय वह है, जिस पर पिछले दो सत्रों में हमारे सदन के अन्दर और दूसरे सदन के अन्दर व्यापक चर्चा हुई, व्यापक विवाद हुआ। इस विषय

[श्री जावेद अली खान]

पर देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में आक्रोश और आन्दोलन की स्थिति देखी गई थी। यह विषय है- विश्वविद्यालयों के अन्दर होने वाली अध्यापकों की, विशेष कर असिस्टेंट प्रोफेसर्स, एसोसिएट प्रोफेसर्स और प्रोफेसर्स की भर्ती का।

कई दिनों की हील-हुज्जत के बाद 8 फरवरी को सरकार ने, मानव संसाधन विकास मंत्री जी ने सदन को और देश को यह आश्वासन दिया कि हम **13-point roster** प्रणाली पर रोक लगायेंगे और पुरानी **200-point roster** प्रणाली, जो आरक्षण के सम्बन्ध में है, उसको बहाल करेंगे। 7 मार्च को सरकार की ओर से अध्यादेश पारित करने का निर्णय लिया गया, जिसे महामहिम राष्ट्रपति जी ने उसी दिन प्रख्यापित भी कर दिया, लेकिन उसके बाद स्थिति क्या है? मेरे पास अध्यापकों की भर्ती के सम्बन्ध में 4 विश्वविद्यालयों के विज्ञापन हैं। पंजाब केन्द्रीय यूनिवर्सिटी, कर्णाटक केन्द्रीय यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक - इन चारों यूनिवर्सिटीज के विज्ञापन हैं। पंजाब में कुल 156 सीटें विज्ञापित की गई हैं। आरक्षण के नियम के अनुसार पिछड़े वर्ग की सीटें, अनुसूचित जाति की सीटें और अनुसूचित जनजाति की सीटें 156 में से 78 होनी चाहिए जबकि इसमें सिर्फ 50 हैं। कर्णाटक विश्वविद्यालय में 137 सीटें विज्ञापित की गई हैं। इनमें तीनों वर्गों को मिलाकर, रिजर्व्ड कैटेगरीज की सीटें 68 होनी चाहिए पर विज्ञापित की गई हैं 50। तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 113 सीटें विज्ञापित की गई हैं, जिनमें से पिछड़े वर्गों की 56 सीटें होनी चाहिए लेकिन विज्ञापित सिर्फ 40 की गई हैं। अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय में 95 सीटें विज्ञापित की गई हैं, जिनमें 47 रिजर्व होनी चाहिए लेकिन सिर्फ 35 विज्ञापित की गई हैं। कमाल की बात यह है कि इनमें ओ.बी.सी. वर्ग के लिए, अन्य पिछड़े वर्गों के लिए **Associate Professor and Professor** की एक सीट भी नहीं है। चारों विश्वविद्यालयों में उनकी संख्या शून्य है। ऐसा क्यों हो रहा है? एक तरफ सरकार आश्वासन देती है, महामहिम राष्ट्रपति जी एक अध्यादेश प्रख्यापित करते हैं, लेकिन इसके बावजूद आरक्षण की पुरानी प्रणाली ज्यों-की-त्यों लागू है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि जहाँ आप इसका संज्ञान लें, साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्री जी को तलब करें और उनसे आज शाम तक जवाब लें। अगर वे उपलब्ध नहीं हैं तो हमारे नेता सदन, खुशकिस्मती है कि वे इस समय यहाँ मौजूद हैं...(व्यवधान)...

† جناب جاوید علی خان (اثر پردیش): مائے آپ سبھا پت ی ج ی، م ی اک بہت ہ ی اہم
وشنے آپ کے، سدن کے، سرکار کے اور دیش کے سنگٹن م ی لانا چاہتا ہوں۔ عوشنے
وہ ہے، جس پر پچھلے دو ستروں م ی ہمارے سدن کے اندر اور دوسرے سدن کے اندر
وٹیک چرچا ہوئی، وٹیک وواد ہوا۔ اس وشنے پر دیش کے لگ بھگ سبھ ی
وشوودھٹلوں م ی آکروش اور آندولن کی استتھی دیکھی گئی تھی۔ عوشنے ہے -
وشوودھٹلوں کے اندر ہونے والے ادھ ٹیکوں کو، خاص کر اسٹنٹ پروفیسرس،
ایسوسی ایٹ پروفیسرس کی بھرتی کا۔

کئی دنوں کی حجت کے بعد آٹھ فروری کو سرکار نے، مانو سنسداہن وکاس منتری جی نے سدن کو اور دیش کو ہی آشواسن دیا کہ ہم 13-پوائنٹ روسٹر پرنالی پر روک لگائیں گے اور پرانی 200-پوائنٹ روسٹر پرنالی، جو آرکشن کے سمبندھ میں ہے، اس کو بحال کر دیں گے۔ 7 مارچ کو سرکار کی طرف سے ادھ ٹیڈیشن پارت کرنے کا فیصلہ لیا گیا، جسے مہامہم راشٹر پتی جی نے اسی دن پرکھ ٹیڈ بھی کر دیا، لیکن اس کے بعد استتھ ی کی ہے؟ میں نے پاس ادھ ٹیڈوں کی بھرتی کے سمبندھ میں ی چار وشوودھ ٹیڈوں کے وگٹین دی۔

پنجاب کی پٹری ی ٹیڈرسٹی، کرناٹک کی پٹری ی ٹیڈرسٹی، تمل ناڈو کی پٹری ی ٹیڈرسٹی اور اندرا گاندھ ی راشٹر ی جن-جانی وشوودھ ٹیڈ، امرکنٹک - چاروں ی ٹیڈرسٹی کے وگٹین دی۔ پنجاب میں کل 156 سیٹی وگٹیت کی گئی دی۔ آرکشن کے قانون کے مطابق پچھلے ورگ کی سیٹی، انوسوچت جانی کی سیٹی اور انوسوچت جن-جانی کی سیٹی 156 میں سے 75 بونی چاہی۔ جب کہ اس میں صرف پچاس دی۔ کارناٹک ی ٹیڈرسٹی میں 137 سیٹی وگٹیت کی گئی دی۔ ان میں ی تینوں طبقوں کو ملاکر، رنرو کٹیگری کی سیٹی 68 دی۔ تمل ناڈو کی پٹری ی ٹیڈرسٹی میں 113 سیٹی وگٹیت کی گئی دی، جن میں سے پچھڑے ورگوں کی 56 سیٹی بونی چاہی لیکن وگٹیت صرف 40 کی گئی دی۔ امرکنٹک واقع اندرا گاندھ ی راشٹر ی جن جانی وشوودھ ٹیڈ میں 95 سیٹی وگٹیت کی گئی دی، جن میں 47 رنرو بونی چاہی لیکن صرف 35 وگٹیت کی گئی دی۔ کمال کی بات یہ ہے کہ ان میں او بی سی طبقے کے لئے، دیگر پچھڑے طبقوں کے لئے Associate Professors and Professors کی ایک سیٹی بھی نہیں ہے۔ چاروں ی ٹیڈرسٹریں میں ان کی تعداد زیو ہے۔ ایسی کئی بوبیا ہے؟ ایک طرف سرکار آشواسن دیتی ہے، مہامہم راشٹر پتی جی ایک ادھ ٹیڈیشن پرکھ ٹیڈ کرتے دی، لیکن اس کے باوجود رنرو ٹین کی پرانی پرنالی جی کی نہیں لاگو ہے۔ میں آپ کے مادھ سے نوین کرنا چاہتا ہوں کہ جہاں آپ اس کا سنگٹین لے، ساتھ ہی مانو سنسداہن وکاس منتری جی کو طلب کریں اور ان سے آج شام تک جواب لیں۔ اگر وہ اُپلبدھ نہیں ہے تو ہمارے ہتھ سدن، خوش قسمتی ہے کہ وہ اس وقت یہاں موجود دی۔۔۔(مداخلت)۔۔۔

(ختم شد)

श्री सभापति: ठीक है, आपका धन्यवाद। नेता सदन, बाद में माननीय मंत्री जी से बात करके इसका क्या solution हो सकता है, उसे देख लें...(व्यवधान)... I have taken notice of the same. I have directed the Government that he should discuss it with the concerned Minister and then find a solution because this is the Presidential Ordinance. ...(Interruptions)... No, no, it is Zero Hour.

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राकेश सिन्हा (नाम निर्देशित): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री मधुसूदन मिस्त्री (गुजरात): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री मोहम्मद अली खान (आन्ध्र प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

اُجناب محمد علی خان (آندھرا پردیش): مہودے، میں بھی مانتے سوسے کے ذریعے
اٹھائے گئے وشے سے اپنے آپ کو سمبڈھ کرتا ہوں۔

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सुशील कुमार गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. L. HANUMANTHAIAH (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

PROF. M.V. RAJEEV GOWDA (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI JHARNADAS BAIDYA (Tripura): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K. SOMAPRASAD (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RANJIB BISWAL (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI T.K.S. ELANGO VAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI R.S. BHARATHI (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI T.K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RAJMANI PATEL (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Prashanta Nanda. ...*(Interruptions)*... No; we want a solution, I have asked him accordingly. Now, Shri Prashanta Nanda.

**Making criterion for granting 'Special Category Status' to
States prone to natural calamity**

SHRI PRASHANTANANDA (Odisha): Sir, here, I would like to say that for Special Category Status, there are some criteria. One is difficult hilly and difficult terrain; second is low-population density; third is presence of sizeable tribal population; then strategic location on international border and then comes the most important economic and infrastructural backwardness and non-viable nature of State finances.

Sir, it is a place about which I can only tell you that for the last so many years, Odisha has been prone to cyclone. I can mention here that there are 98 cyclones that are being faced by Odisha. One cyclone is good enough to shatter all the infrastructures, all the good things and all the developmental things that have been done. Odisha is facing not just the cyclone. If this year there is a cyclone, then next year it is flood, and then the next year it is drought.

So, my earnest request will be that this should be taken as criteria to make 'Special Category Status' and I think in this way Odisha will get its justice. Thank you very much.

श्रीमती सरोजिनी हेम्वरम (ओडिशा): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से अपने आपको सम्बद्ध करती हूँ।

SHRI RANJIB BISWAL (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri V. Vijayasai Reddy.